Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय-2

राजा, किसान और नगर
(आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं)

भाग-4

Pritesh Joshi

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q// प्रशासन ? → मौर्य

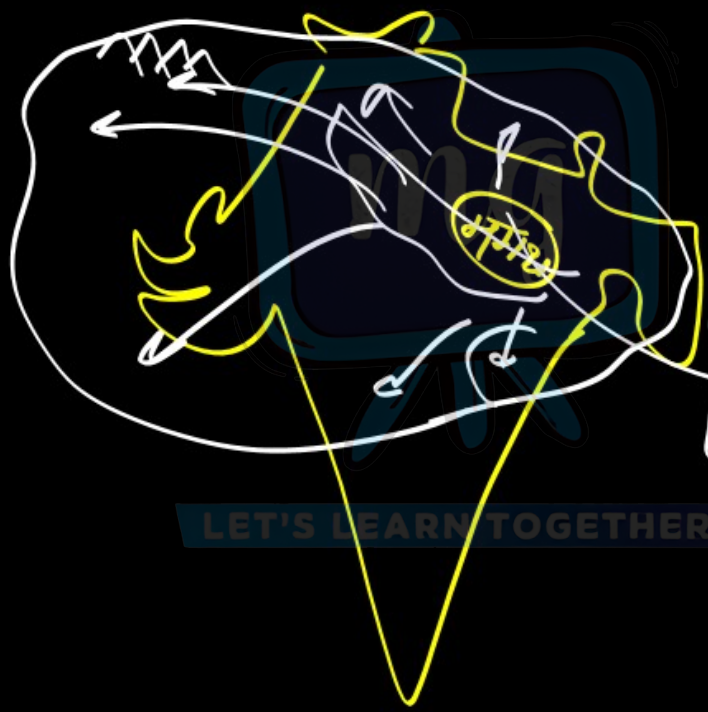

राज्य → गवर्नर

पाटलिपुत्र → आसपास

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मौर्य साम्राज्य का प्रशासन :

- मौर्य साम्राज्य के 5 प्रमुख राजनीतिक केन्द्र थे –

1. राजधानी – पाटलिपुत्र - मध्यदेश
2. तक्षशिला (वर्तमान – पाकिस्तान) – उत्तरपथ
3. उज्जयिनी – अवन्ति

प्रांतीय केन्द्र/प्रांत

4. तोसालि (उड़ीसा में) - कलिंग
5. सुवर्णगिरि (दक्षिण में कर्नाटक) - दक्षिणपथ

- इस सबका उल्लेख असोक के अभिलेखों में किया गया है।
- आधुनिक पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर सीमांत प्रांत से लेकर आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और उत्तराखंड तक हर स्थान पर एक जैसे संदेश उत्कीर्ण किये गये थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

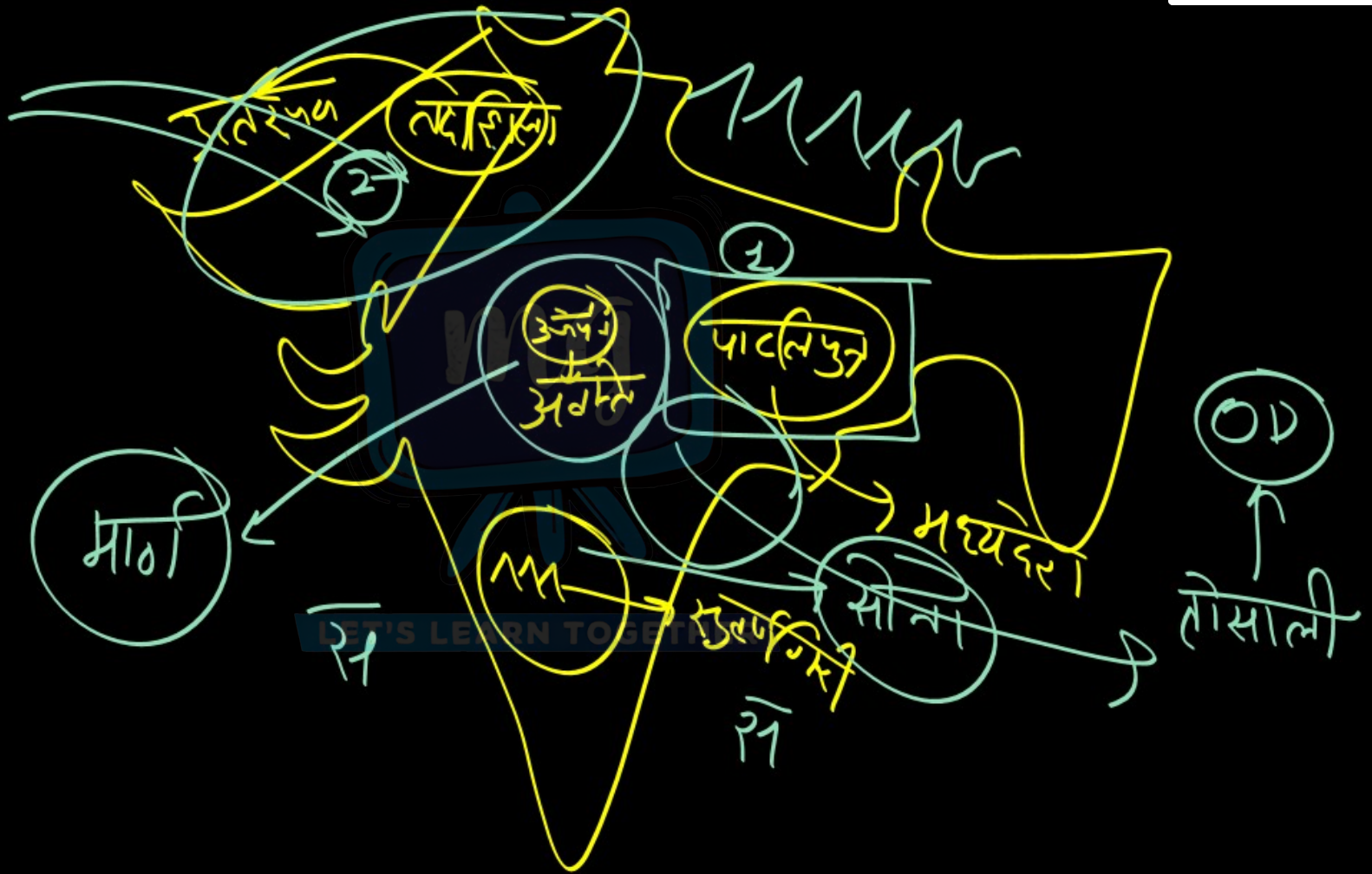

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्रशासनिक व्यवस्था :

- इतने बड़े साम्राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में इतिहासकारों का मानना है कि पूरे साम्राज्य में एक जैसी व्यवस्था रखना संभव नहीं था।
- साम्राज्य में शामिल क्षेत्र बड़े विविध और भिन्न भिन्न प्रकार के थे – कहां अफगानिस्तान के पहाड़ी क्षेत्र और कहां उड़ीसा के तटवर्ती क्षेत्र।
- संभव है कि सबसे अधिक प्रशासनिक नियंत्रण साम्राज्य की राजधानी तथा उसके आस पास के प्रांतीय केन्द्रों पर ही रहा हो।

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक स्थिति

1. दार्शनिक
2. कृषक
3. पशुपालक
4. व्यापारी / शिल्पी
5. सैनिक
6. नीरिक्षक
7. मंत्री

विचारधारा

आमात्य

Q. प्रान्तों का चयन किस प्रकार किया होगा?

इन प्रांतों का चयन बड़े ध्यान से किया गया था। तक्षशिला व उज्जयिनी दोनों ही लंबी दूरी वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग पर स्थित थे। जबकि सुवर्णगिरि (सोने के पहाड़) कर्नाटक में सोने की खदान के लिए उपयोगी था।

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सम्राट के अधिकारियों के कार्य :

(मेगस्थनीज के विवरण का एक अंश)

1. सम्राट के कुछ अधिकारी नदियों की देख रेख तथा भूमि मापन का काम करते थे। (जैसा कि मिश्र में होता था)।
2. कुछ प्रमुख नहरों से उपनहरों के लिए छोड़े जाने वाले पानी के मुखद्वार का निरीक्षण करते थे ताकि हर स्थान पर पानी की समान पूर्ति हो सके।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. कुछ अधिकारी शिकारियों का संचालन करते हैं तथा शिकारियों के कृत्यों के आधार पर उन्हें इनाम या दंड देते हैं।
4. कुछ कर वसूली करते हैं तथा भूमि से जुड़े सभी व्यवसायों का निरीक्षण करते हैं।
5. कुछ लकड़ाहारों, बढ़ई, लोहारों और खननकर्ताओं का भी निरीक्षण करते हैं।

LET'S LEARN TOGETHER

- साम्राज्य के संचालन के लिए भूमि और नदियों दोनों मार्गों के आवागमन बना रहना अत्यंत आवश्यक था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राजधानी से प्रांतों तक जाने में कई सप्ताह या महीनों का समय लगता होगा अतः यात्रियों के खान पान व सुरक्षा की व्यवस्था भी करनी पड़ती होगी। यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि सेना, सुरक्षा का एक प्रमुख माध्यम रही होगी।

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सैनिक गतिविधियां : (मैगस्थनीज द्वारा)

सेना के संचालन के लिए एक समिति दशा छः उपसमितियां थी। उपसमितियों के कार्य :-

1. पहली उपसमिति – नौसेना का संचालन करना
2. दूसरी उपसमिति – यातायात व खानपान का संचालन करना।
3. तीसरी उपसमिति – पैदल सैनिकों का संचालन।
4. चौथी उपसमिति – अखारोहियों का संचालन।
5. पाँचवीं उपसमिति – रथरोहियों का संचालन
6. छठी उपसमिति – हाथियों का संचालन करना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दूसरी उपसमिति के दायित्व विभिन्न प्रकार के थे–

(i) उपकरणों को ढोने के लिए बैलगाड़ियों की व्यवस्था करना।

(ii) सैनिकों के लिए भोजन और जानवरों के लिए चारे की व्यवस्था करना।

(iii) सैनिकों की देखभाल के लिए सेवकों और शिल्पकारों की नियुक्ति करना।

अर्थशास्त्र में सैनिक और प्रशासनिक संगठन का विस्तृत विवरण मिलता है।

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Greek

यूनानी स्त्रोतों के अनुसार मौर्य सम्राट के पास 6 लाख पैदल सैनिक, 30 हजार घुड़सवार, 9 हजार हाथी थे।

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

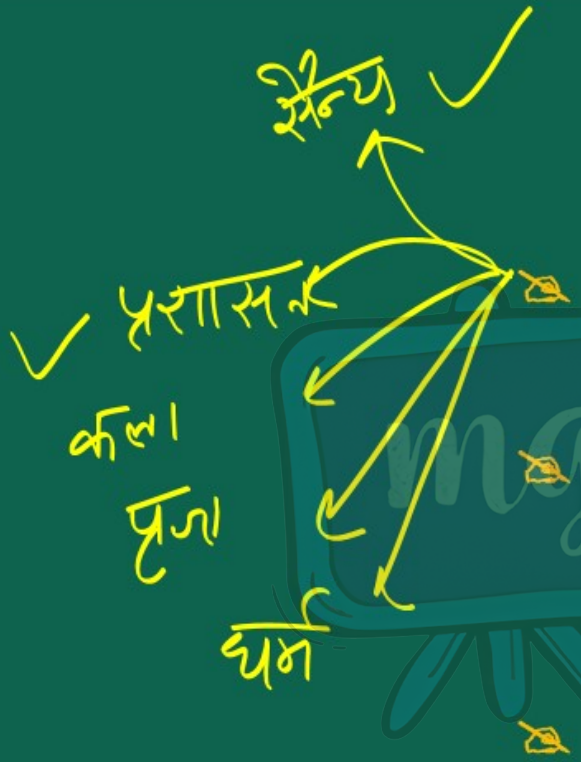

मौर्य साम्राज्य का महत्व-

इतिहासकारों ने मौर्य साम्राज्य को भारतीय इतिहास का एक प्रमुख काल माना है।

प्रस्तर मूर्तियों सहित मौर्यकालीन सभी पुरातत्व एक आद्भुत कला के प्रमाण थे जो साम्राज्य की पहचान माने जाते हैं।

इतिहासकारों के अनुसार असोक के अभिलेख अन्य शासकों से भिन्न हैं अत: उन्होंने असोक को एक बहुत शक्तिशाली एवं परिश्रमी शासक माना। साथ ही वे बाद के उन राजाओं से विनीत थे जो अपने नाम के साथ बड़ी बड़ी उपाधियां जोड़ते थे।

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- उपर्युक्त कारणों से ही बीसवीं सदी के राष्ट्रवादी नेताओं ने असोक को अपनी प्रेरणा का स्त्रोत माना।
- इसके उपरान्त भी मौर्य साम्राज्य मात्र 150 वर्ष ही चल पाया यह उपमहाद्वीप के सभी क्षेत्रों में नहीं फैल पाया था। पूरे साम्राज्य में नियंत्रण भी समान नहीं था तथा इसके अंत के साथ ही उपमहाद्वीप में कई नये नये शासक व रजवाड़े स्थापित होने लगे।

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

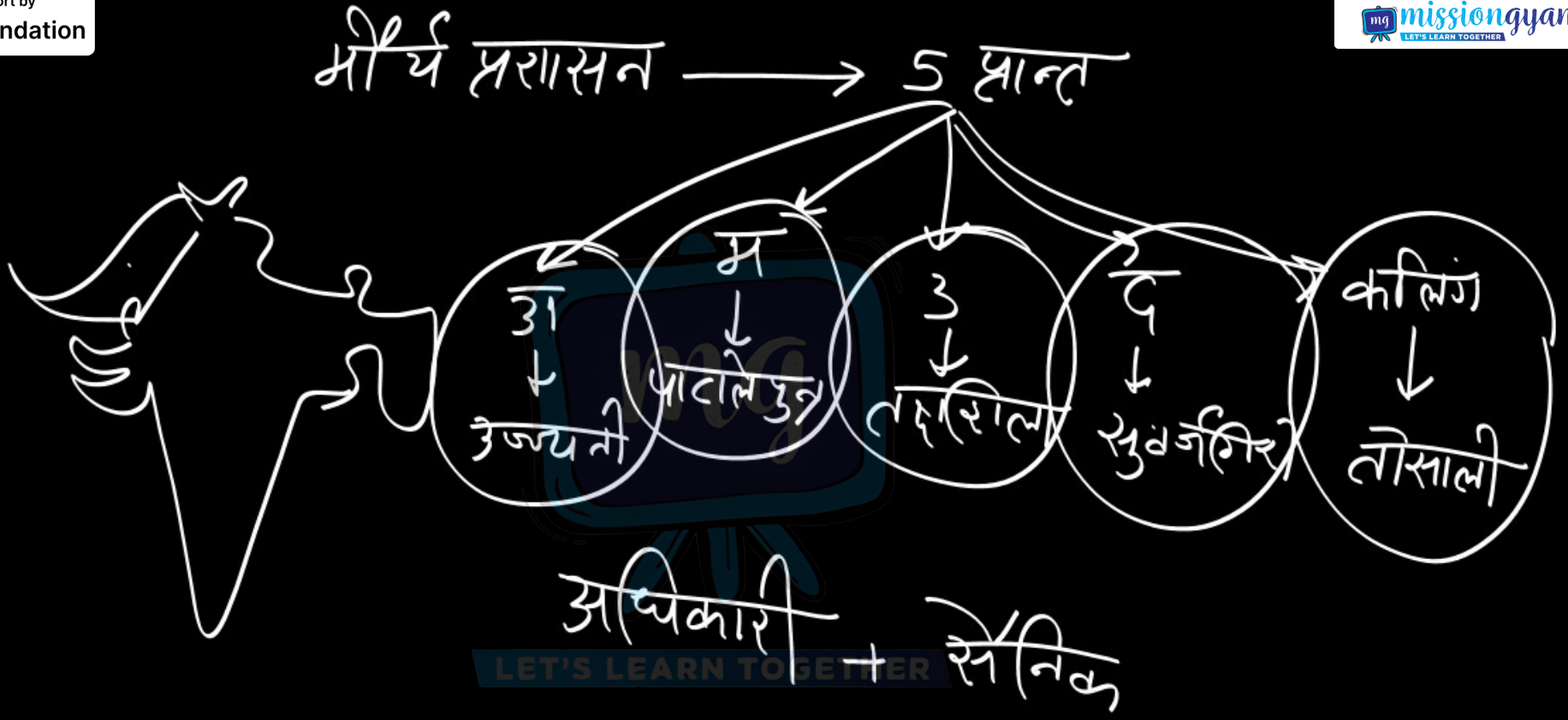

LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. मौर्य साम्राज्य के 5 प्रान्तों के नाम लिखो

Q. मौर्य साम्राज्य के प्रशासनिक अधिकारी / सैन्य

Q. 'महान' ?

LET'S LEARN TOGETHER